....खण्ड स्नातक शिक्षक मतदान



लखनऊ खण्ड स्नातक के लिये 35.82 और खण्ड शिक्षक के लिये 44.89 प्रतिशत मतदान

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच विधान परिषद चुनाव का हुआ मतदान

इटौंजा में स्नातक में 39.51 व शिक्षक में 48.6 प्रतिशत मतदान

इटौंजा। प्रदेश में हो रहे लखनऊ खंड स्नातक व शिक्षक सदस्य विधान परिषद निर्वाचन के लिए इटौंजा के राष्ट्रपिता स्मारक इंटर कॉलेज में बनाए गए अलग-अलग एक बूथ संख्या 131 स्नातक निर्वाचन क्षेत्र व एक बूंथ संख्या 75 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं में वोट डालने का काफी जोश दिखा।

लखनऊ। राजधानी में आज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच विधान परिषद के पांच खण्ड स्नातक एवं छह खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन के लिये मतदान हुआ।इस दौरान तमाम मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से गायब होने के कारण मतदाता परेशान हुये और बिना वोट डाले मायूस होकर लौट गये।जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से जारी सूची के अनुसार लखनऊ खण्ड स्नातक के लिये 35.82 प्रतिशत और खण्ड शिक्षक के लिये लखनऊ-44.89 प्रतिशत मतदान हुआ। आज से कड़ी सुरक्षा में 259 मतदान केंद्रों पर शुरू हुये मतदान के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा और उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक तथा उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डा नीरज बोरा रक्षामंत्री के बेटे नीरज सिंह सहित तमाम नेताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया।मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने पूर्वाह्न दस बजे अपने निर्धारित मतदेय स्थल बूथ संख्या-224 स्नातक केंद्रीय विद्यालय विकास खण्ड-दो गोमती नगर में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।उन्होंने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। इसके अलावा में विधायक डॉ.नीरज बोरा ने सपरिवार मतदान किया।उन्होंने 132 अ, बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज में मताधिकार का प्रयोग किया।इस दौरान उनकी पत्नी श्रीमती बिंदु बोरा एवं पुत्र वत्सल बोरा भी उनके साथ मौजूद रहे। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने महानगर में अपने मताधिकार का उपयोग किया। दूसरी ओर स्नातक और शिक्षक चुनाव के लिये मतदाता सूची में व्यापक अव्यवस्था देखने को मिली।कही पर पति का तों कहीं



क्रिश्चियन कॉलेज के मतदान केंद्र में नाम न मिलने से माथुर दम्पत्ति निराश लौटा।

पत्नी का वोट गायब मिला।मतदाताओं का कहना था कि विधान परिषद जैसे चुनाव में शिक्षित वर्ग की वोट लिस्ट में इस तरह की अनियमितता देखने को मिल रही है तों आने वाले विधान सभा चुनाव की वोटर लिस्ट तो राम भरोसे होंगी।इसी क्रम में मतदान के दौरान गोमती नगर विस्तार निवासी डीएम कटियार ने तो डीपीएस स्कूल में वोट डाला, लेकिन उनकी पत्नी निधि कटियार का वोट गायब रहा।इस दौरान वो दोनों पति-पत्नी वार्ड संख्या से लेकर हर तरीके से वोटर लिस्ट में नाम खोजते रहे लेकिन लिस्ट में नाम नहीं मिला।उन्हें बताया गया कि उनका वोट साइनपुर बिजनौर रोड पर है। वहां की लिस्ट में नाम खोजते रहे लेकिन लिस्ट में नाम नहीं मिला।इसी प्रकार इंदिरा नगर निवासी मनीष यादव की पत्नी प्रियंका यादव का नाम मतदाता सूची में था लेकिन वोटर लिस्ट में मनीष यादव का नाम गायब रहा। इसी क्रम में राजधानी के काफी बूथों पर मतदाता सूची में कमियां होने के कारण मतदाता परेशान रहे। इसके अलावा हुसैनगंज थाना अंतर्गत लालकुआं रोड पर स्थित शशि भूषण कालेज में बने मतदान केन्द्र की मतदाता सूची में तमाम मतदाताओं

मतदाता सूची से किसी की पत्नी तों किसी के पति का नाम गायब

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक सहित भाजपा पदाधिकारियों ने किया मतदान

लखनऊ,(आज समाचार सेवा)। स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन के मतदान दिवस पर शुक्रवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने महानगर स्थित हीवेट पॉलिटेक्निक में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने निर्धारित मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

का नाम सूची में शामिल न होने के कारण लोग वोटर लिस्ट में नाम खोजते नजर आये और नाम न मिलने के कारण बिना वोट डाले वापस लौट गये।इस तरह सदर क्षेत्र के मतदान केन्द्र पर एक महिला मतदाता का नाम पूरान होने के कारण वोट नहीं डाल सकी। उसके नाम के पीछे का सर नेम वर्मा नहीं लिखा था।सुबह से लेकर शाम चार बजे तक हुये मतदान का आंकड़ा कुछ इस प्रकार रहा कि दस बजे तक खंड स्नातक 8 प्रतिशत व खंड शिक्षक 9 प्रतिशत और दोपहर बारह बजे तक स्नातक के लिये 17.48 और शिक्षक पद के लिये 18.90 प्रतिशत मतदान हुआ था।दोपहर दो बजे मतदान मे कुछ तेजी आयी तो स्नातक के लिये 27.80 और शिक्षक पद के लिये 29.02 प्रतिशत तक आंकड़ा पहुंचा।शाम चार बजे के बाद जिला निर्वाचन कार्यालय से दी गई सूचना के अनुसार लखनऊ में खण्ड स्नातक के लिये कुल 35.82 और खण्ड शिक्षक के लिये 44.89 प्रतिशत मतदान हुआ।

मलिहाबाद में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न, एसडीएम की सख्ती से टला हंगामा

मलिहाबाद । खंड स्नातक निर्वाचन मलिहाबाद के अमानीगंज स्थित महात्मा गांधी इंटर कॉलेज में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। कुल 1819 मतदाताओं में से 947 मतदाताओं ने वोट डाला। लगभग 52 प्रतिशत मतदान हुआ जो पुलिस और पीएसी की मुस्तैदी से निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुआ। बताते चलें कि लखनऊ खंड स्नातक मतदान मलिहाबाद के अमानीगंज के महात्मा गांधी इंटर कॉलेज में बनाए गए मतदान केंद्र पर दो बूथ बनाए गए बूथ संख्या 128 और बूथ संख्या 128 आ जहां सुबह 8 बजे से ही ग्रेजुएट मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारे लग गई मतदान को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अपराजिता आर्यन खुद फील्ड में उतरीं और मतदान केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। केंद्र के अंदर और बाहर पुलिस व पीएसी के जवान चप्पे-चप्पे पर तैनात रहे। **वोटिंग धीमी होने पर हंगामा** मतदान के दौरान समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने वोटिंग की रफ्तार धीमी होने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया, लेकिन अधिकारियों की सूझबूझ और तत्परता से स्थिति तुरंत नियंत्रण में हुई। चुनाव में युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कनार गांव निवासी शुभम तिवारी ने पहली बार वोट डाला। उन्होंने कहा, पहली बार ग्रेजुएट वोट डालना बेहद रोमांचक अनुभव था, लग रहा है जैसे मैंने सच में लोकतंत्र में अपनी भागीदारी निभाई है। कुल पंजीकृत मतदाता 1819 बूथ संख्या 128 पर मतदान 480 औरबूथ संख्या 128-अ पर मतदान 467 कुल मतदान 947 (52 प्रतिशत) रहा दिनभर कॉलेज गेट के बाहर भाजपा और सपा कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगा रहा, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी से माहौल शांतिपूर्ण बना रहा। **स्नातक चुनाव में धांधली की चर्चा** गोसाईगंज। खंड स्नातक चुनाव संपन्न हो गए। इन चुनावों में सत्तारुढ़ पार्टी के दबाव में उसी लिए व्यापक स्तर पर धांधली करने की चर्चा सामने आई। इस चुनाव में गोसाईगंज क्षेत्र के मतदान केन्द्र महमूदपुर में निर्धारित शैक्षिक योग्यता न रखने वालों के नाम भी मतदाता सूची में होने की बात कही गई।

तो मतदान केन्द्र नगाराम मतदाता संदीप कुमार पुत्र द्वारिका प्रसाद के पास मिली मतदान पर्ची में उसका पता नहीं लिखा हुआ था। इन्ही सब बातों को लेकर विधानसभा क्षेत्र मोहनलालगंज के पूर्व विधायक अम्बरीश पुष्कर की ओर से सवाल उठाए गए। सपा नेता ने कहा कि सत्तारूढ़ जनता पार्टी ने अपने प्रत्याशी को जिताने के लिए सभी प्रकार के हथकंडे अपनाये है। इस कार्य में चुनाव आयोग का पूरा समर्थन रहा। सपा पूर्व विधायक ने कहा कि भाजपा की ओर से हर प्रकार से बाधाएं डालने के बाद भी सपा प्रत्याशी कान्ति सिंह पत्नी डॉ. एस.पी. सिंह की जीत होनी तय है। इसी वजह से भाजपाई परेशान है।

जियो के आईपीओ में बने बड़े रिकॉर्ड



मुंबई -भारतीय पूंजी बाजार के इतिहास में नया कीर्तिमान रचते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज समर्थित डिजिटल सेवा कंपनी जिओ प्लेटफॉर्म्स का 30,213 करोड़ का शुरुआती सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शुक्रवार को रिकॉर्ड 22.19 गुना ओवरसब्सक्राइब होकर बंद हुआ। एंकर निवेशकों और पब्लिक इश्यू को मिलाकर कंपनी को कुल 7.4 लाख करोड़ से अधिक की बोलियां प्राप्त हुईं। इसके साथ ही इस आईपीओ को कुल 1.39 करोड़ आवेदन मिले, जिसने भारतीय प्राथमिक शेयर बाजार में आवेदनों की संख्या का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड कायम कर दिया है। जियो आईपीओ को निवेशकों की ओर से बंपर रिस्पॉन्स मिला है और इसके अंतिम सब्सक्रिप्शन आंकड़े बेहद शानदार रहे हैं। कुल मिलाकर यह इश्यू 22.19 गुना सब्सक्राइब होकर बंद हुआ है। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखाई, जिनका कोटा रिकॉर्ड 70.55 गुना भर गया। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 14.00 गुना और रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 2.72 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसके अलावा, आरक्षित कोटे में भी अच्छी मांग रही, जहां शेयरधारकों ने 7.60 गुना और कर्मचारियों ने 2.93 गुना बोलियां लगाईं। 22 अक्तूबर से 24 अक्टूबर तक खुले इस आईपीओ ने पहले ही दिन से निवेशकों को आकर्षित किया। इश्यू के पहले दिन बुधवार को मात्र 100 मिनट के भीतर यह पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया था, जो भारत में इतने बड़े आकार के आईपीओ के लिए सबसे तेज गति है। इस आईपीओ को मिले 1.39 करोड़ आवेदनों ने सोलर उपकरण निर्माता कंपनी वारी एनर्जीज द्वारा बनाए गए 97.34 लाख आवेदनों के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। सार्वजनिक पेशकश से पहले 19 अक्तूबर को जियो प्लेटफॉर्म्स ने 212 एंकर निवेशकों से 1,119 प्रति शेयर की ऊपरी मूल्य सीमा पर 8,110 करोड़ जुटाए थे। एंकर बुक में आवंटन से 30 गुना से अधिक यानी 2.5 लाख करोड़ से अधिक की रिकॉर्ड बोलियां प्राप्त हुई थीं। एंकर निवेशकों में दुनिया के शीर्ष एसेट मैनेजर्स और सॉवरेन वेल्थ फंड्स शामिल रहे, जिनमें ब्लैकरॉक, फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स, जीआईसी और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी प्रमुख हैं। भारत के सबसे बड़े आईपीओ के रूप में जिओ प्लेटफॉर्म्स ने हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

आणविक निदान में डीएनए आधारित तकनीकों का हो विकास-प्रो.नित्यानंद

लखनऊ,(आज समाचार सेवा)। बोन मैरो ट्रांसप्लांट के बाद काइमेरिज्म विश्लेषण सहित चिकित्सा अनुसंधान और आणविक निदान के विभिन्न क्षेत्रों में डीएनए आधारित तकनीकों के उपयोग को विकसित किया जाना चाहिए। उक्त उद्गार शुक्रवार को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय केजीएमयू के फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग में स्थापित डीएनए फिंगरप्रिंटिंग प्रयोगशाला 'द फॉरेंसिक जेनेटिक्स एवं मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स' का उद्घाटन करते हुए कुलपति पद्मश्री प्रो. सोनिया नित्यानंद ने व्यक्त किये। कुलपति ने बताया कि केजीएमयू की यह पहल प्रदेश में फॉरेंसिक विज्ञान, आधुनिक आणविक तकनीकों, अनुसंधान एवं विशेषज्ञ प्रशिक्षण को नई दिशा देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। चिकित्सा शिक्षा और फॉरेंसिक विज्ञान के समन्वय से स्थापित यह प्रयोगशाला डीएनए आधारित मानव पहचान तथा भविष्य में विभिन्न आणविक निदान संबंधी अनुप्रयोगों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।प्रो. सोनिया नित्यानंद ने प्रयोगशाला की भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए बोन मैरो ट्रांसप्लांट के बाद काइमेरिज्म विश्लेषण सहित चिकित्सा अनुसंधान और आणविक निदान के विभिन्न क्षेत्रों में डीएनए आधारित तकनीकों के उपयोग को विकसित करने का सुझाव दिया। यह प्रयोगशाला उत्तर प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में स्थापित अपनी तरह की पहली डीएनए फिंगरप्रिंटिंग प्रयोगशाला है। इस अवसर पर फॉरेंसिक डीएनए प्रोफाइलिंग पर दो दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन भी किया जा रहा है। उद्घाटन अवसर पर प्रो अनूप कुमार वर्मा, विभागाध्यक्ष, फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी ने प्रयोगशाला की स्थापना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि डीएनए प्रोफाइलिंग आधुनिक फॉरेंसिक जांच का एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपकरण है। इसके माध्यम से अज्ञात शवों एवं लापता व्यक्तियों की पहचान, आपदा पीड़ितों की पहचान, पितृत्व निर्धारण तथा अस्पतालों में नवजात शिशुओं की अदला.बदली जैसे मामलों में सहायता मिल सकती है।

राजधानी के 13 और लोगों में डेंगू की पुष्टि

लखनऊ। राजधानी में डेंगू के मरीजों में उतार-चढ़ाव जारी है। शुक्रवार को विभिन्न इलाकों में 13 लोगों में डेंगू की पुष्टि हुयी है। सर्वाधिक पांच मरीज इंदिरानगर इलाके में मिले हैं। इसके अलावा चंदरनगर में चार, अलीगंज और रेडक्रॉस क्षेत्र में दो-दो मरीज मिले हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या ने स्वास्थ्य विभाग की चिन्ता बढ़ा दी है। अस्पतालों में डेंगू मरीजों के इलाज के लिए अलग वार्ड तैयार किये गये हैं। मच्छरदानी में मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। बलरामपुर, सिविल, लोकबंधु बीआरडी व रानी लक्ष्मीबाई सहित अन्य अस्पतालों में मच्छरदानी में मरीज भर्ती किये जा रहे हैं। मरीजों को भी मच्छरों से बचाव के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। सीएमओ डॉ.एन.बी. सिह ने बताया कि डेंगू के लक्षण मिलने पर मरीज सरकारी अस्पतालों में जांच करा सकते हैं। यहां डेंगू की जांच मुफ्त उपलब्ध है। मरीजों को इलाज के दौरान जरूरी दवाएं भी मुफ्त दी जा रही हैं।

संक्षिप्त

सिविल सेवाओं के लिए एक साथ आये कर्मयोगी भारत और ओपनएआई

लखनऊ। कर्मयोगी भारत और ओपनएआई ने आज भारत की सिविल सेवाओं में क्षमता विकास को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) की घोषणा की। पेशेवर, सुप्रशिक्षित और भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवा के निर्माण के मिशन कर्मयोगी के उद्देश्य पर आधारित यह सहयोग ओपनएआई एकेडमी के क्षमता निर्माण संसाधनों को केंद्र और राज्यों के सरकारी कर्मियों के लिए आईजीओटी कर्मयोगी के लर्निंग इकोसिस्टम में लाएगा। समावेशी विकास, नागरिक-केंद्रित शासन और जनहित के लिए एआई के उपयोग के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप, यह सहयोग निरंतर, सहज और मार्गदर्शित लर्निंग पर मिशन कर्मयोगी के फोकस को मजबूती देता है। इससे सिविल सेवक आईजीओटी कर्मयोगी के 'कभी भी, कहीं भी, किसी भी डिवाइस पर' उपलब्ध प्लेटफॉर्म के जरिए एआई की व्यावहारिक सीख हासिल कर सकेंगे।

भारत का पहला एआई ट्यूटर, जबाव के साथ पढ़ाता भी है

लखनऊ। जीट एआई ने भारत का पहला ऐसा एआई ट्यूटर पेश किया है, जो विद्यार्थियों को वास्तव में पढ़ाता है और निजी शिक्षक के साथ पढ़ने जैसा अनुभव प्रदान करता है। विद्यार्थियों के सवाल पूछने का इंतजार करने के बजाय, यह खुद कॉन्सेप्ट्स को समझाता है, वर्चुअल बोर्ड पर लिखता है और महत्वपूर्ण बिंदुओं को चिह्नित करता है। साथ ही, विषय को बेहतर ढंग से समझाने के लिए उपयोगी मल्टीमीडिया सामग्री और इंटरैक्टिव सिमुलेशन का इस्तेमाल करता है।

प्रदेश में महिला सशक्तीकरण बढ़ाने के लिए सेल्फ-हेल्प ग्रुप लॉन्च किए

लखनऊ। आरएसपीएल ने हाल ही में कानपुर में आयोजित हुई एक इवेंट में उज्जवल संगिनी स्वयं सहायता समूह का लॉन्च किया, ताकि स्थानीय महिलाओं को सेल्फ-हेल्प समूहों द्वारा आजीविका निर्माण के अवसर मिलें, समुदायों में उनकी हिस्सेदारी बढ़े और वॉशिंग की आदतों एवं स्वच्छता को लेकर जागरुकता बढ़े। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जमीनी स्तर पर चलाई जा रही यह पहल महिलाओं के बीच वित्तीय आत्मनिर्भरता ला रही है।

नेशनल पीजी कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया डायल 112 व पुलिस मुख्यालय का शैक्षणिक भ्रमण



लखनऊ,(आज समाचार सेवा)। नेशनल पीजी कॉलेज में एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड एकाउंटेट्स और चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट कार्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए लखनऊ स्थित डायल ११२ पुलिस मुख्यालय का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा में अर्जित सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना तथा आधुनिक आपातकालीन सेवा प्रणाली की कार्यप्रणाली से परिचित कराना था। यह भ्रमण अगाथेन लर्निंग पावर्ड बाय आईएसएम एजुटेक लखनऊ के सहयोग से आयोजित किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों को आपातकालीन कॉल प्रबंधन, संचार व्यवस्था, विभिन्न प्रतिक्रिया दलों के बीच समन्वय तथा जनसुरक्षा में आधुनिक तकनीक की भूमिका को समझने का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने यह जानने का प्रयास किया कि किस प्रकार त्वरित सूचना प्रवाह, डेटा प्रबंधन, प्रभावी संचार एवं समयबद्ध निर्णय-प्रक्रिया किसी बड़े सार्वजनिक सेवा संगठन के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भ्रमण का एक प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में व्यावसायिक दक्षता, विश्लेषणात्मक क्षमता, अनुशासन, टीमवर्क तथा प्रभावी संचार कौशल का विकास करना भी था। डायल ११२ जैसी आधुनिक आपातकालीन सेवा की कार्यप्रणाली को समझकर विद्यार्थियों को संगठनात्मक प्रबंधन, जवाबदेही और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल के महत्व को व्यावहारिक रूप से जानने का अवसर प्राप्त हुआ।

लोकतंत्र में मीडिया विभाग पार्टी की रीढ़ होता-आराधना मिश्रा

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया विभाग पार्टी की रीढ़ होता है। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के कुप्रबंधन,चरमरायी कानून व्यवस्था,किसानों के खाद संकट और बढ़ती बेरोजगारी जैसे बुनियादी मुद्दों को जनता के बीच आक्रामक तरीके से ले जाने की जिम्मेदारी मीडिया विभाग की है। यह बातें उन्होने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में यूपी कांग्रेस मीडिया विभाग की बैठक को सम्बोधित करते हुये व्यक्त कीं। इस दौरान उन्होंने सभी पदाधिकारियों को पूरी निष्ठा, एकजुटता और मुस्तैदी के साथ चुनावी मोड में आने का आवाहन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने भरोसा जताया कि मीडिया विभाग के ऊर्जावान पदाधिकारी अपनी पैनी रणनीति से भाजपा के छलावे और झूठ के चक्रव्यूह को नाकाम करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता बदलाव का मन बना चुकी है और 2027 के चुनाव में इंडिया गठबंधन की सरकार बनना तय है।

एलडीए उपाध्यक्ष को गुमराह करने वाले विहित प्राधिकरण को नोटिस

लखनऊ,आज समाचार सेवा। एक आदेश के सहारे दो सील बिल्डिंगो की सील खोलने वाले एलडीए के विहित प्राधिकारी विपिन शिवहरे को लविप्रा उपाध्यक्ष ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सम्पूर्ण मामला जोन सात के दुबग्गा इलाके से जुड़ा हुआ है । यहा रहने वाले जगदेव सिंह ने बिल्डिंग का निर्माण कराया था। जिस पर एलडीए प्रशासन द्वारा अवैध निर्माण होने के चलते सील कर दिया गया था । जिसके पश्चात जगदेव सिंह ने बिल्डिंग के अवैध हिस्से की कम्पाउडिंग करा कर एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को बिल्डिंग की सील खोलने का निवेदन किया था। जिस पर एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने विहित प्राधिकरण विपिन शिवहरे को सील खोलने व वाद स्थगित करने के लिए निर्देश दिए थे। उक्त आदेश की आड़ में ही विहित प्राधिकारी विपिन शिवहरे ने अमीनाबाद इलाके में बीते काफी समय से सील चल रही अजीत ज्वैलर्स की बिल्डिंग की भी सील खोलने का आदेश जारी कर दिया था। जिसके पश्चात अमीनाबाद निवासी मनोज सिंह ने एलडीए उपाध्यक्ष से मिल कर उनको गुमराह कर एक आदेश के सहारे दो सील खोलने का आरोप लगा काररवाई की मांग की थी। जांच में सम्पूर्ण मामला खुलने पर एलडीए उपाध्यक्ष ने विहित प्राधिकरण को जमकर फटकार लगा कारण बताओं नोटिस जारी किया है तथा अजीत ज्वैलर्स की बिल्डिंग को पुनः सील करने के निर्देश दिए है । **अवैध वसूली करने वाले जोलन अधिकारी व अवर अभियन्ता हटाए गये** एलडीए के प्रवर्तन जोन तीन विभाग के जोनल अधिकारी मान सिंह और अवर अभियन्ता राहुल विश्वकर्मा का अवैध निर्माण कराने के एवज में मोटी रकम वसूलने का एक आडियो वायरल होने के पश्चात एलडीए उपाध्यक्ष ने सख्त कदम उठाया है । वीडियो में अवैध वसूली कर बिल्डिंग बनवाने की बात कर रहे जोन तीन के जोनल अधिकारी मान सिंह को जोनल अधिकारी पद से हटा दिया है तो वही अवर अभियन्ता राहुल विश्वकर्मा को जोन दो में तबादला कर दिया है । जोन तीन के जोनल अधिकारी का कार्य जोन दो के जोनल अधिकारी ओएसडी रवि नन्दल सिंह को बनाया गया है । वे जोन दो का कार्य पूर्व की तरह ही देखते रहेगें। वही सम्पूर्ण मामले की एक कमेटी बनाकर जांच के ओदा दिए है ।

गन्ने के दाम तुरन्त बढ़ाये सरकार टिकैत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के बुलावे पर किसानों की एक बहुत बड़ी पंचायत हुई। पूरे राज्य से आए हजारों किसानों ने सरकार पर अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने मांग की कि गन्ने का सरकारी भाव तुरंत बढ़ाया जाए और मिलों पर फंसा उनका पुराना पैसा तय समय में चुकाया जाए। किसान नेताओं ने सरकार से सीधा सवाल किया कि 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने का जो वादा किया गया था, वह अब तक पूरा क्यों नहीं हुआ। मेरठ से महापंचायत में शामिल होने पहुंचे गौरव देशवाल



ने बताया कि किसान 600-700 किलोमीटर का लंबा सफर तय करके अपनी व्यथा सुनाने लखनऊ आए हैं। उन्होंने कहा कि आज किसान दोहरी मार झेल रहा हैकृएक तरफगन्ने का वाजिब दाम नहीं मिल रहा, तो दूसरी तरफ जमीनों का सरकारी सर्कल रेट भी सही तय नहीं किया गया है। लागत के मुकाबले फसल की कीमत न मिलने से किसान लगातार कर्ज में डूब रहा है। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के बदायूं जिलाध्यक्ष राम शंकर ने जमीनी स्तर की गंभीर समस्याओं को उजागर किया। उन्होंने कहा कि बदायूं में गन्ने के कम दाम के साथ-साथ प्राकृतिक आपदा से फसलें तबाह हो गईं, लेकिन प्रशासन का कोई भी नुमाइंदा नुकसान का सर्वे करने तक नहीं पहुंचा। नतीजतन किसानों को फूटी कौड़ी का

किसान महापंचायत में रिश्वत खोरी का मामला उठा

मुआवजा नहीं मिला। उन्होंने राजस्व विभाग पर खुला भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लेखपालों की मनमानी चरम पर है। हिस्सा-फांटा (जमीन बंटवारे) के रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ी की गई हैय 10 बीघे वाले किसान का रकबा 5 बीघा और 5 बीघे वाले का 2 बीघा दर्ज कर दिया गया। अब इस सरकारी गलती को सुधारने के नाम पर लेखपाल खुलेआम रिश्वत की मांग कर रहे हैं।महापंचायत में मंच से प्रशासन और सरकार को चेतावनी देते हुए किसानों ने अपनी प्रमुख मांगें सामने रखीं,गन्ने के सरकारी खरीद मूल्य में तुरंत पर्याप्त बढ़ोतरी की जाए।